'विश्व में विज्ञान व प्रौद्योगिकी में बहुत तेजी से बदलाव हो रहे हैं'

पिलानी, (निसं)। भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधीन सेवारत वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) जो कि विश्वभर में सार्वजनिक क्षेत्र के अनुसंधान संगठनों में नौवें स्थान पर है, की पिलानी, स्थित राष्ट्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला केंद्रीय

■ सीएसआई (सीरी) का स्थापना दिवस मनाया

इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-सीरी) के 65वें स्थापना दिवस का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर आईआईआईटी-हैदराबाद के निदेशक, प्रोफेसर पी. जे. नारायणन, मुख्य अतिथि थे। बिट्स-पिलानी के कुलपति प्रोफेसर सौविक भट्टाचार्य समारोह के विशिष्ट अतिथि थे

पिलानी में सीएसआईआर का स्थापना दिवस मनाया गया। इस दौरान वर्ष 2016-17 के वार्षिक प्रतिवेदन का विमोचन किया गया। इस मौके पर आईआईआईटी-हैदराबाद के निदेशक, प्रोफेसर पी. जे. नारायणन, सीरी के निदेशक प्रोफेसर शांतनु चौधरी आदि मौजूद थे।

।आयोजन की अध्यक्षता सीएसआईआर-सीरी के निदेशक प्रोफेसर शांतनु चौधुरी ने की।

इस अवसर पर संस्थान के सहकर्मियों के अतिरिक्त पूर्व निदेशक प्रोफेसर चंद्रशेखर, बिरला एजुकेशन ट्रस्ट, पिलानी के निदेशक मेजर जनरल एस नायर, विद्याविहार नगर पालिका के अध्यक्ष डॉ आर के पारीक, बिरला शिशु विकार के प्रधानाचार्य श्री पवन वशिष्ठ, शिक्षण व अन्य संस्थानों के अतिथियों तथा मीडिया जगत के प्रतिनिधियों के अतिरिक्त पिलानी के नागरिक भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ परम्परागत रूप से अतिथियों द्वारा द्वीप प्रज्वलन से हुआ जिसके बाद सीरी विद्या मंदिर की छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना की गई।

मुख्य अतिथि प्रोफेसर पी. जे. नारायणन ने संस्थान के सहकर्मियों को 65वें स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई दी। उन्होंने अपने अथक परिश्रम द्वारा संस्थान की उपलब्धियाँ अर्जित करने के लिए सभी पूर्व तथा वर्तमान सहकर्मियों को साधुवाद दिया।

इस अवसर पर अपने पूर्व अनुभवों को साझा किया। अनुसंधान संस्थानों/प्रयोगशालाओं रूपी 'आधुनिक भारत के मंदिरों' की स्थापना के लिए उन्होंने देश के नीति-नियंताओं की दूरदर्शिता की सराहना की। वैज्ञानिकों के दायित्वों पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि विश्व में विज्ञान व प्रौद्योगिकी में बहुत तेजी से बदलाव हो रहे हैं और हमारे लिए भी स्वयं को उसके अनुसार बदलना या अपडेट करना अनिवार्य है।